राष्ट्रीय सहारा 18-7-2013

जल्द बहुरेंगे शर्करा संस्थान के दिन

- केंद्रीय खाद्य मंत्रालय के सचिव ने किया निरीक्षण
- विकास के लिए संस्थान से मांगी योजनाएं
- गंदगी देखकर जताया रोष, सुधार की दी चेतावनी

कानपुर (एसएनबी)। अगर सब कुछ ऐसे ही ठीक चलता रहा तो वह दिन दूर नहीं, जब राष्ट्रीय शर्करा संस्थान अपनी खोयी प्रतिष्ठा पुनः पा सकेगा। यह भरोसा संस्थान में बुधवार को निरीक्षण के लिए आये कंज्यूमर अफेयर्स, फूड एवं पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन मंत्रालय में सचिव सुधीर कुमार ने दिलाया।

श्री कुमार ने बातचीत के दौरान कहा कि संस्थान का इंफ्रास्ट्रक्चर बहुत अच्छा है। इसके विकास के लिए जो भी योजनाएं भेजी जायेंगी, उनको ईमानदारी से अमल में लाने की सरकार मंशा रखती है। निदेशक की ओर इशारा करते हुए श्री कुमार ने कहा कि सरकार द्वारा इन्हें स्थायी रूप से नियुक्ति प्रदान किये जाने के पीछे भी यही मंशा है कि संस्थान का बेहतर विकास हो। उन्होंने आश्वासन भरे लहजे में बताया कि निदेशक संस्थान के विकास से जुड़ी जो भी योजनाएं भेजेंगे, उन पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी। उन्होंने पुराने पाठ्यक्रमों में बदलाव, नये पाठ्यक्रमों के शुरू किये जाने, नयी प्रयोगशालाओं की जरूरत आदि पर निर्णय संस्थान के पाले में डालते हुए कहा कि यहां से इस संबंध में जो भी निर्णय होंगे, उनका निस्तारण जल्द किया जायेगा। संस्थान के निरीक्षण के दौरान उन्होंने कई विभागों में गंदगी एवं संयंत्रों में दीमक आदि लगी देख नाराजगी जाहिर करते हुए अव्यवस्थाओं में सुधार की चेतावनी दी। साथ ही संस्थान की शुगर मिल एवं फार्म हाउस का भी निरीक्षण किया। वहीं, उच्च अधिकारियों द्वारा निरीक्षण को लेकर कर्मचारियों को विकास की जैसी उम्मीद थी, वैसा कुछ भी न होने से वह मायूस दिखे। निरीक्षण के दौरान श्री कुमार के साथ आये संयुक्त सचिव टी जैकब एवं संस्थान के निदेशक नरेन्द्र मोहन थे।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में लैब का निरीक्षण करते केंद्रीय खाद्य आपूर्ति सचिव सुधीर कुमार। *फोटो : एसएनबी*

शुगर उत्पादन पर सरकार का कोई कंट्रोल नहीं

श्री कुमार से रिफाइंड शुगर के उत्पादन में देश के पिछड़े रहने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह शुगर मिलों की इच्छा पर निर्भर करता है। वह चाहें तो रिफाइंड शुगर का उत्पादन कर सकती हैं। इसके अलावा वह एथनाल आदि का उत्पादन भी करने के लिए स्वतंत्र हैं। सरकार का उत्पादन पर किसी प्रकार का कंट्रोल नहीं है।

स्वतंत्र भारत 18-7-2013

एक्शन प्लान बनाये नेशनल शुगर इंस्टीटयूट

○ घटिया मिडडे मील के लिये शिक्षा विभाग जिम्मेदार- कहा खाद्य-नागरिक आपूर्ति सचिव ने

कानपुर।

केन्द्रीय खाद्य व नागरिक आपूर्ति विभाग के सचिव सुधीर कुमार ने आज शुगर इंस्टीटयूट का निरीक्षण किया और अफसरों के साथ बैठक करके एक्शन प्लान बनाने के निर्देश दिये। उन्होने कहाकि इसमें अगर कोई रिसोंर्स की समस्या आती है तो वे उसे पूरा करायेगे। श्री कुमार आज सुबह शुगर इंस्टीटयूट पहुंचे। वहां पर उन्होने सभी लैबो व फैकेल्टी का निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होने कुछ सुधार के निर्देश भी दिये।

अफसरों से खाद्य सचिव ने कहाकि यह देश का महत्वपूर्ण संस्थान है इसको प्रीमियम पोजीशन में लाया जाये। अलग अलग लैबो व फैकेल्टी में उन्होने पूछा कि इसे और अच्छा कैसे बनाया जाये। इसके लिये एक्शन प्लान बनाये जिससे बेहतर से बेहतर काम यहां हो सके। फैकेल्टी में रिसोर्स की समस्या अगर

होती है वे इसे खुद ही दूर करेगें। पत्रकारों से बातचीत में उन्होने कहाकि राशन की दुकानों पर भीड़ क्यों लग रही हैं इसके लिये दुकानदार जिम्मेदार है। बीस से पच्चीस तारीख को कोटेदार को राशन दे दिया जाता है लेकिन वे दुकान कम खोलते हैं जिससे भीड दुकानों पर बढ जाती है। घटिया मिडडे मील पर उन्होने कहाकि शिक्षा विभाग का यह काम है वे बेहतर अनाज उपलब्ध करवाते हैं लेकिन शिक्षा विभाग के लोग रास्ते में हेराफेरी करा देते है। उन्होने कहाकि इसके लिये क्वालिटी कंट्रोल स्टाफ तैनात किया हैं इसमें शिकायत करूं तो घटिया मिडड मील पर कार्रवाई हो जायेगी।

दैनिक आज 18-7-2013

एनएसआई में फंड और फैकल्टी की कमी को पूरा करेगी सरकार

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 17 जुलाई। फूड एंड पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन के सचिव सुधीर कुमार ने कहाकि इंस्टीट्यूट की ओर से प्रस्ताव देने पर जल्द ही फंड व फैकल्टी की कमी को पूरा किया जाएगा। लैब, शोध पर विशेष ध्यान दिया जाएगा ताकि देश का पुराना नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट फिर से अपना मुकाम हासिल कर सके। मिड-डे मिल में खाद्यान साफ-सुथरा दिये जाना बताया है। दोपहर में निदेशक व विभागीय अधिकारियों के साथ सचिव ने इंस्टीट्यूट का निरीक्षण भी किया। वह आज नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट, कल्याणपुर में पत्रकारों से बाचतीच कर रहे थे। सचिव ने कहाकि सरकार इंस्टीट्यूट को फंड मुहैया कराने को तैयार है। इसके लिए इंस्टीट्यूट से एक्शन प्लान मांगे गये है। प्रस्ताव देने पर जल्द ही फंड दिया जाएगा। उन्होंने कहाकि इंस्टीट्यूट में फैकल्टी की कमी है। इसके लिए निदेशक नरेंद्र मोहन की ओर रिक्त पदों पर नियुक्ति किये जाने की प्रक्रिया चल रही है जिससे आगामी महीनों में फैकल्टी की कमी भी पूरी हो जाएगी। इससे पहले सचिव सुधीर कुमार ने इंस्टीट्यूट के लैब, शोध कार्य व अन्य विभागों का निरीक्षण किया। इसके बाद विभागीय बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये। सचिव ने रिफाइंड शुगर, इण्डस्ट्री को जोड़ने और मिलकर कर कार्य करने संबंधी कार्यों पर विशेष जोर दिया है।

हिन्दुस्तान 18-7-2013

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का किया जाएगा पुनरुद्धार

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) के पुनरुद्धार के रास्ते साफ हो गए हैं। अब इसकी तस्वीर ट्रिपल पी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल से नहीं बल्कि सरकार खुद बदलेगी। शिक्षकों की कमी पूरी की जाएगी और जिन संसाधनों की जरूरत पड़ेगी वह जरूरत भी पूरी की जाएगी। डिपार्टमेंट ऑफ फूड्स एण्ड पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन के सचिव सुधीर कुमार ने बुधवार को एनएसआई का निरीक्षण और अधिकारियों व शिक्षकों के साथ बैठक के बाद यह जानकारी दी।

सचिव ने कहा कि एनएसआई में सुधार की प्रक्रिया चल रही है। इससे उत्तर प्रदेश के चीनी उद्योग को भी ऑक्सीजन मिलेगी।

बेहतर रिजल्ट का वादा लिया : सचिव ने कहा कि शिक्षकों की जो कमी है उसे पूरा करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। जो शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारी हैं उनसे कहा गया है कि वे सीमित संसाधनों में बेहतर रिजल्ट देने का भी प्रयास करें। निदेशक के स्तर से जो भी प्रस्ताव तैयार होगा उसके आधार पर काम होगा। पिछले एक दशक में जो भी कमियां रहीं उसे भुलाना होगा।

मिडडे मील को खराब अनाज नहीं : सचिन ने कहा कि मिडडे मील को खराब अनाज की आपूर्ति का सवाल ही नहीं उठता। इसके लिए अलग से कोई आपूर्ति नहीं की जाती है। जो भी उठान करते हैं, उन्हें चाहिए कि वे तब लिखित रूप से दें तो कार्रवाई जरूर होगी।

लंबी कतारें चिंता का विषय : सचिव ने कहा कि राशन दुकानों पर लंबी कतारें लग रही हैं तो पता चलता है कि या तो दुकानें कम हैं या समय से खोली नहीं जातीं। इसके बारे में जानकारी की जाएगी।